पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल एवं स्थलरूप

कक्षा 6 सामाजिक विज्ञान

Complete Study Notes

सीखने के उद्देश्य

इस अध्याय में विद्यार्थी पृथ्वी के चार प्रमुख परिमंडलों तथा विभिन्न स्थलरूपों का अध्ययन करेंगे। वे महाद्वीपों, महासागरों, वायुमंडल, पर्वतों, पठारों, मैदानों तथा पृथ्वी की सतह को आकार देने वाली प्राकृतिक प्रक्रियाओं के बारे में सीखेंगे। साथ ही यह भी समझेंगे कि ये भौतिक विशेषताएँ मानव जीवन और पर्यावरण को किस प्रकार प्रभावित करती हैं।

परिचय

पृथ्वी एकमात्र ज्ञात ग्रह है जहाँ जीवन संभव है, क्योंकि यहाँ भूमि, जल और वायु का संतुलित मेल पाया जाता है। इन्हें मिलाकर चार प्रमुख परिमंडल—भू-मंडल, जलमंडल, वायुमंडल और जैवमंडल—बनते हैं, जो सभी जीवों के अस्तित्व के लिए आवश्यक हैं। इन परिमंडलों का अध्ययन हमें पृथ्वी की प्राकृतिक संरचना तथा जीवन के लिए आवश्यक संतुलन को समझने में सहायता करता है।

पृथ्वी के चार प्रमुख परिमंडल

पृथ्वी की सतह संरचनात्मक रूप से चार परस्पर जुड़े परिमंडलों में विभाजित है:

- **भू-मंडल (Lithosphere):** पृथ्वी की ठोस बाहरी सतह है, जिसमें चट्टानें, मिट्टी, पर्वत और मैदान शामिल हैं। यही क्षेत्र कृषि, बस्तियों और प्राकृतिक संसाधनों का आधार है।
- **जलमंडल (Hydrosphere):** इसमें महासागर, नदियाँ, झीलें, हिमनद, भूजल तथा जलवाष्प सहित पृथ्वी का समस्त जल शामिल है। पृथ्वी की लगभग 71% सतह जल से ढकी हुई है।
- **वायुमंडल (Atmosphere):** पृथ्वी को चारों ओर से घेरने वाली गैसों की परत है। यह हमें हानिकारक विकिरणों से बचाती है तथा जीवन के लिए आवश्यक ऑक्सीजन और अन्य गैसें उपलब्ध कराती है।
- **जैवमंडल (Biosphere):** वह संकीर्ण क्षेत्र है जहाँ भूमि, जल और वायु एक-दूसरे से मिलते हैं तथा सभी प्रकार के जीव-जन्तु और वनस्पतियाँ निवास करती हैं।

महाद्वीप, महासागर और वायुमंडल

पृथ्वी की भूमि सात प्रमुख महाद्वीपों—एशिया, अफ्रीका, उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया—में विभाजित है। एशिया सबसे बड़ा तथा ऑस्ट्रेलिया सबसे छोटा महाद्वीप है। विश्व के सभी महासागर आपस में जुड़े हुए हैं और समुद्र तल को भूमि की ऊँचाई मापने का आधार माना जाता है।

वायुमंडल पाँच प्रमुख परतों—क्षोभमंडल, समतापमंडल, मध्यमंडल, तापमंडल तथा बहिर्मंडल—में विभाजित है, जो पृथ्वी पर जीवन की सुरक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप

पृथ्वी की सतह निरंतर आंतरिक तथा बाह्य प्रक्रियाओं के कारण बदलती रहती है। आंतरिक प्रक्रियाएँ पर्वत निर्माण जैसी घटनाएँ उत्पन्न करती हैं, जबकि बाह्य प्रक्रियाएँ अपरदन और निक्षेपण के माध्यम से स्थलरूपों को बदलती रहती हैं।

पर्वत ऊँचे प्राकृतिक स्थलरूप हैं जिनका निर्माण वलन, भ्रंश या ज्वालामुखीय गतिविधियों से होता है। **पठार** ऊँचे समतल क्षेत्र होते हैं जो खनिज संपदा से समृद्ध होते हैं। **मैदान** समतल और उपजाऊ क्षेत्र होते हैं, जहाँ कृषि, परिवहन तथा मानव बस्तियों का सबसे अधिक विकास होता है। ये स्थलरूप जलवायु, कृषि, परिवहन, उद्योगों और मानव बस्तियों को प्रभावित करते हैं।

पारिस्थितिक अंतर्संबंध: पृथ्वी के परिमंडल और स्थलरूप प्राकृतिक संसाधन उपलब्ध कराते हैं, जैव विविधता को बनाए रखते हैं, जलवायु को प्रभावित करते हैं तथा मानव जीवन, कृषि, उद्योग और परिवहन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

अभ्यास प्रश्न

1. पृथ्वी के चार प्रमुख परिमंडलों के नाम लिखिए।
2. कौन-सा परिमंडल सभी जीवों का निवास स्थान है?
3. सात महाद्वीपों के नाम लिखिए।
4. पठार और मैदान में क्या अंतर है?
5. मैदानों में जनसंख्या अधिक क्यों पाई जाती है?

उत्तर

- **उत्तर 1:** पृथ्वी के चार प्रमुख परिमंडल हैं—भू-मंडल, जलमंडल, वायुमंडल और जैवमंडल।
- **उत्तर 2:** जैवमंडल वह परिमंडल है जहाँ भूमि, जल और वायु मिलते हैं तथा सभी जीवधारी निवास करते हैं।
- **उत्तर 3:** सात महाद्वीप हैं—एशिया, अफ्रीका, उत्तर अमेरिका, दक्षिण अमेरिका, अंटार्कटिका, यूरोप और ऑस्ट्रेलिया।
- **उत्तर 4:** पठार ऊँचा समतल क्षेत्र होता है, जबकि मैदान समतल, नीचा तथा अत्यंत उपजाऊ क्षेत्र होता है।
- **उत्तर 5:** मैदानों में उपजाऊ मिट्टी, समतल भूमि, बेहतर परिवहन सुविधाएँ तथा कृषि के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ होने के कारण यहाँ जनसंख्या अधिक पाई जाती है।